



Wuzoo Ka Sawaab (Hindi)

वुजू का सवाब

सफ़ाहत 17

हौजे कौसर के जाम	01
बा वुजू रहने की बरकतें	04
वुजू के दुन्यावी फ़ाएदे और हिकमतें	08
चेहरा धोने के तिब्बी फ़वाइद	12
वुजूख़ाना बनवाने का तरीका	14

पेशकश :

मजलिसे अल मदीनतुल इल्मिय्या
(दा'वते इस्लामी)

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढ़ने की दुआ

अज़ : शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा
दَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه रज़वी मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अन्तार कादिरि
दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले ज़ैल में दी हुई दुआ पढ़
लीजिये إِنْ شَاءَ اللَّهُ تَعَالَى जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ येह है :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तरजमा : ऐ अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ! हम पर इल्मो हिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम पर
अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अज़मत और बुजुर्गी वाले । (مُسْتَطْرَف ج ١ ص ٤٠٠ دار الفکر بیروت)

नोट : अब्वल आख़िर एक एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये ।

तालिबे ग़मे मदीना
व बक़ी अ
व मरिफ़रत



13 शब्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

ट्रान्सलेशन डिपार्टमेन्ट (दा'वते इस्लामी)

येह रिसाला “वुजू का सवाब”

मजलिसे अल मदीनतुल इल्मिय्या ने उर्दू ज़बान में मुरतब किया है ।
ट्रान्सलेशन डिपार्टमेन्ट (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में
तरतीब दे कर पेश किया है और मक्तबतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है ।

इस रिसाले में अगर किसी जगह कमी बेशी या ग़लती पाएं तो ट्रान्सलेशन
डिपार्टमेन्ट को (ब ज़रीअ़े मक्तूब, E-mail या SMS) मुत्तलअ़ फ़रमा कर सवाब
कमाइये ।

राबिता : ट्रान्सलेशन डिपार्टमेन्ट (दा'वते इस्लामी)

मक्तबतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने,

तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 98987 32611 • E-mail : hind.printing92@gmail.com

أَلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ ط
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

वुजू का सवाब

दुआएं अन्तार

या अल्लाह ! जो कोई रिसाला “वुजू का सवाब” के 15 सफ़हात पढ़े या सुन ले उस का नामए आ'माल गुनाहों से पाक कर दे ।

اٰمِيْنَ بِجَاةِ النَّبِيِّ الْاٰمِيْنَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ है : बरोजे क़ियामत लोगों में मेरे क़रीब तर वोह होगा, जिस ने मुझ पर ज़ियादा दुरूदे पाक पढ़े होंगे ।

(ترمذی ج ۲ ص ۲۷۷ حدیث ۲۸۸۳، دار الفکر بیروت)

صَلُّوْا عَلَيَّ الْحَبِيْبِ صَلَّى اللهُ عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

हौजे कौसर के जाम

अल्लाह पाक के आखिरी नबी صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ (एक मरतबा) क़ब्रिस्तान की तरफ़ तशरीफ़ लाए तो फ़रमाया : तुम पर सलाम हो, ऐ मोमिन क़ौम के घर वालो ! अगर अल्लाह पाक ने चाहा तो हम भी तुम से मिलने वाले हैं, मैं पसन्द करता हूँ कि हम अपने भाइयों को देख लेते । सहाबए किराम عَلَيْهِمُ الرِّضْوَان ने अर्ज किया : या रसूलल्लाह صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ! क्या हम आप صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के भाई नहीं हैं ? फ़रमाया : तुम मेरे सहाबा हो और हमारे भाई वोह लोग हैं जो अभी तक पैदा नहीं हुए । सहाबए किराम

صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने अर्ज किया : जो अभी तक पैदा नहीं हुए, आप عَلَيْهِمُ الرِّضْوَانُ उन्हें कैसे पहचानेंगे ? **रसूलुल्लाह** صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने फ़रमाया : तुम्हारा क्या खयाल है कि अगर सियाह घोड़ों के दरमियान किसी के सफ़ेद टांगों और सफ़ेद पेशानी वाले घोड़े हों तो क्या वोह अपने घोड़े पहचान नहीं लेगा ? अर्ज किया : क्यूं नहीं, **या रसूलल्लाह** صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ! इर्शाद फ़रमाया : जब येह मेरे हौज़ पर आएंगे तो उन लोगों के आ'जा वुजू के बाइस चमक्ते होंगे और मैं हौजे कौसर पर उन के इस्तिक्बाल के लिये मौजूद होउंगा ।

(مسلم ص ۱۲۳ حدیث ۵۸۴، دار الکتاب العربی بیروت)

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! बिला शुबा हर अक्ल मन्द शख्स इस बात से अच्छी तरह वाकिफ़ है कि सफ़ाई, सुथराई इन्सान के वकार में इजाफ़ा करती है जब कि गन्दगी इन्सान की इज़्जतो अज़मत को घटा देती है । दीने इस्लाम ने जहां इन्सान को कुफ़्रगे शिर्क की नजासतों से पाक कर के इज़्जतो बुलन्दी अता फ़रमाई है वहीं ज़ाहिरी सफ़ाई सुथराई का भी दर्स दिया है । बहर हाल बदन की पाकीज़गी हो या लिबास की सफ़ाई, हर हर चीज़ को साफ़ सुथरा रखने की दीने इस्लाम में ता'लीमो तरगीब दी गई है, **अल्लाह** पाक पारह 2 **सूरतुल बकरह** की आयत नम्बर 222 में इर्शाद फ़रमाता है :

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَ
يُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ ﴿٢٢٢﴾

तरजमए कन्जुल ईमान : बेशक अल्लाह पसन्द रखता है बहुत तौबा करने वालों को और पसन्द रखता है सुथरों को ।

इसी तरह कई अहादीसे मुबारका में भी सफ़ाई सुथराई की अहम्मियत को बयान किया गया है । आइये ! 3 फ़रामीने मुस्तफ़ा

صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ पहिये : (1) फ़रमाया : **الطُّهُورُ نِصْفُ الْإِيمَانِ** : या'नी सफ़ाई
आधा ईमान है ।
(ترمذی ج ۵ ص ۳۰۸ حدیث ۳۵۳۰)

(2) बेशक इस्लाम साफ़ सुथरा (दीन) है तो तुम भी नज़ाफ़त (या'नी सफ़ाई सुथराई) हासिल किया करो क्यूं कि जन्नत में साफ़ सुथरा रहने वाला ही दाख़िल होगा ।
(کنز العمال جزء ۹ ج ۵ ص ۱۲۳ حدیث ۲۵۹۹۶، دار الکتب العلمیة بیروت)

(3) जो चीज़ तुम्हें हासिल हो उस से नज़ाफ़त (या'नी सफ़ाई सुथराई) हासिल करो, **अल्लाह** पाक ने इस्लाम की बुन्याद सफ़ाई पर रखी है और जन्नत में साफ़ सुथरे रहने वाले ही दाख़िल होंगे ।
(جمع الجوامع ج ۴ ص ۱۱۵ حدیث ۱۰۶۲۳، دار الکتب العلمیة بیروت)

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! हमें चाहिये कि हम अपने आप को हर तरह की गन्दगी और मैल कुचैल से पाको साफ़ रखने की कोशिश करें, साफ़ सुथरा रहने से इन्सान काफ़ी हद तक जिस्मानी बीमारियों से महफूज़ रह कर डॉक्टरों के चक्कर लगाने से भी बच सकता है । अपने आप को साफ़ सुथरा रखने और अपनी सिद्दहत को बर करार रखने के लिये बा वुजू रहना बिला शुबा एक **बेहतरिन अमल** है ।

अल्लाह पाक ने कुरआने करीम में वुजू में धोए जाने वाले चन्द आ'जा को खुसूसिय्यत के साथ बयान फ़रमाया है, चुनान्वे पारह 6 **सूरतुल माइदह** की आयत नम्बर 6 में इर्शाद होता है :

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا قُمْتُمْ إِلَى
الصَّلَاةِ فَغَسِّقُوا وُجُوهَكُمْ وَأَيْدِيَكُمْ
إِلَى الْمَرَافِقِ وَامْسَحُوا بِرُءُوسِكُمْ
وَأَرْجُلَكُمْ إِلَى الْكَعْبَيْنِ ط وَإِنْ
كُنْتُمْ جُنُبًا فَاطَّهَّرُوا ط
(پہ ۶، المائدہ، آیت: ۶)

तरजमए कन्ज़ुल ईमान : ऐ ईमान वालो जब नमाज़ को खड़े होना चाहो तो अपने मुंह धोओ और कोहिनियों तक हाथ और सरों का मस्ह करो और गिट्टों तक पाउं धोओ ।

बा वुजू रहने की बरकतें

हर वक़्त बा वुजू रहना शहादत का मर्तबा पाने का ज़रीआ है :

नबिय्ये करीम صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने हज़रते सय्यिदुना अनस رضي اللهُ عَنْهُ से फ़रमाया : बेटा अगर तुम हमेशा बा वुजू रहने की इस्तिताअत रखो तो ऐसा ही करो क्यूं कि मलकुल मौत (या'नी रूह क़ब्ज़ करने वाला फ़िरिश्ता) जिस बन्दे की रूह हालते वुजू में क़ब्ज़ करता है उस के लिये शहादत लिख दी जाती है ।
(کنز العمال الجزء ۹ ص ۵۵ ج ۳۰ احديث ۲۶۰۶۱)

मेरे आका आ'ला हज़रत, इमामे अहले सुन्नत मौलाना शाह इमाम अहमद रज़ा ख़ान رَحْمَةُ اللهِ عَلَيْهِ लिखते हैं : हमेशा बा वुजू रहना मुस्तहब है ।
(फ़तावा रज़विय्या, जि. 1, स. 702, रज़ा फ़ाउन्डेशन)

एक और मक़ाम पर फ़रमाते हैं : हमेशा बा वुजू रहना इस्लाम की सुन्नत है । (फ़तावा रज़विय्या, जि. 1, स. 702) बा'ज आरिफ़ीन ने फ़रमाया : जो हमेशा बा वुजू रहे **अल्लाह** पाक उसे 7 फ़ज़ीलतें अता फ़रमाता है : (1) मलाएका उस की सोहबत में रग़बत करें, (2) क़लम उस की नेकियां लिखता रहे, (3) उस के आ'जा तस्बीह करें, (4) उस से तक्बीरे ऊला फ़ौत न हो, (5) जब सोए, **अल्लाह** करीम कुछ फ़िरिश्ते भेजे कि जिन्नो इन्स (या'नी इन्सान और जिन्नात) के शर से उस की हिफ़ाज़त करें, (6) सकराते मौत (या'नी मौत की तक्लीफ़) उस पर आसान हो, (7) जब तक बा वुजू हो अमाने इलाही में रहे ।
(फ़तावा रज़विय्या, जि. 1, स. 702)

दिल की सफ़ाई

हकीमुल उम्मत हज़रते मुफ़ती अहमद यार ख़ान नईमी رَحْمَةُ اللهِ عَلَيْهِ फ़रमाते हैं : बा'ज सूफ़िया फ़रमाते हैं पाक कपड़ों में रहना पाक बिस्तर पर सोना हमेशा बा वुजू रहना दिल की सफ़ाई का ज़रीआ है ।

(मिरआतुल मनाजीह, जि. 1, स. 468, ज़ियाउल कुरआन पब्लीकेशन्ज़)

एहसासे कमतरी का एक इलाज

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! हर वक्त बा वुजू रहने की आदत डालिये कि बा वुजू रहने से जहां दीगर बे शुमार फ़वाइदो बरकात हासिल होते हैं वहीं एहसासे कमतरी से भी नजात मिलती है ।

(ह़ाफ़िज़ा कैसे मज़बूत हो ?, स. 95, 96)

शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरि रज़वी **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ** ने तमाम मुसल्मानों को "72 नेक आ'माल" का तोहफ़ा अता फ़रमाया है जिस पर रिज़ाए इलाही के लिये इख़्लास के साथ अमल करने वाला यक़ीनन नेक मुसल्मान बन सकता है । आप **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ** अपने इस रिसाले में दिन का अक्सर हिस्सा बा वुजू रहने की तरगीब दिलाते हुए नेक अमल नम्बर 39 में इर्शाद फ़रमाते हैं :
"क्या आज आप दिन का अक्सर हिस्सा बा वुजू रहे ।"

रोज़ाना अपना जाएज़ा लेते हुए नेक आ'माल का रिसाला पुर कर के हर इस्लामी महीने की पहली तारीख़ को अपने ज़िम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'मूल बना लीजिये नीज़ हर माह पाबन्दी के साथ आशिक़ाने रसूल के साथ सुन्नतें सीखने के लिये कम अज़ कम तीन दिन के मदनी काफ़िले में सुन्नतों भरा सफ़र इख़्तियार कीजिये, लिबास व बदन के साथ साथ किरदार व अख़्लाक़ भी साफ़ सुथरा हो जाएगा । **إِنْ شَاءَ اللَّهُ**

कर लो निव्यत ख़ूब कोशिश कर के हम अपना अमल
 मदनी इन्आमात पर हर दम बढ़ाते जाएंगे
 कर लो निव्यत सुन्नतों की तरबियत के वासिते
 काफ़िलों में हम सफ़र करते कराते जाएंगे

صَلُّوْا عَلَيَّ الْحَبِيْبِ صَلَّى اللهُ عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

वुजू के 6 फ़ज़ाइल

(1) वुजू गुनाह झड़ने का ज़रीआ है :

अल्लाह करीम के आख़िरी रसूल صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने फ़रमाया :
जब बन्दा वुजू करते हुए कुल्ली (Rinse mouth) करता है तो उस के मुंह से गुनाह निकल जाते हैं, जब नाक में पानी डालता है तो नाक के गुनाह निकल जाते हैं, फिर जब चेहरा धोता है तो उस के चेहरे से गुनाह झड़ जाते हैं, यहां तक कि उस की आंखों की पलकों (Eyelashes) के नीचे के गुनाह भी झड़ जाते हैं और जब वोह दोनों हाथ धोता है तो उस के दोनों हाथों से गुनाह झड़ जाते हैं हत्ता कि उस के हाथ के नाखुनों के नीचे से भी गुनाह झड़ जाते हैं, फिर जब वोह अपने सर का मस्ह (Wipe) करता है तो उस के सर के गुनाह झड़ जाते हैं यहां तक कि उस के कानों के गुनाह भी झड़ जाते हैं, फिर जब अपने पाउं धोता है तो उस के पाउं से गुनाह झड़ जाते हैं हत्ता कि पाउं के नाखुनों के गुनाह भी झड़ जाते हैं, फिर उस का मस्जिद की तरफ़ चलना और नमाज़ पढ़ना मज़ीद बरआं (या'नी इस के इलावा इबादत) है ।

(नसائی ص २५ حدیث १०३، دارالکتب العلمیة بیروت)

(2) बरोजे क़ियामत वुजू करने वाले की पेशानी चमक्ती होगी :

हुज़ूर सरापा नूर صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का फ़रमाने नूरन अला नूर है :
जब मेरी उम्मत को क़ियामत के दिन पुकारा जाएगा तो वुजू के बाइस उन की पेशानियां (Foreheads) और क़दम चमक्ते होंगे, लिहाज़ा तुम में से जो अपनी चमक में इज़ाफ़ा करने की इस्तिताअत रखे उसे चाहिये कि इस में इज़ाफ़ा करे ।

(بخاری ج ۱ ص ۱ حدیث ۱۳۶، دارالکتب العلمیة بیروت)

(3) मशक्कत के वक़्त कामिल वुजू करना भी दरजात की बुलन्दी का सबब है :

अपनी उम्मत से प्यार करने वाले प्यारे प्यारे आका صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने इर्शाद फ़रमाया : क्या मैं तुम्हारी ऐसे अमल की तरफ़ रहनुमाई न करूं जिस के सबब अल्लाह पाक गुनाह मिटाता है और दरजात को बुलन्द फ़रमाता है ? सहाबए किराम الرِّضْوَانُ عَلَيْهِمُ الرِّضْوَانُ ने अर्ज़ किया : या रसूलल्लाह صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ! क्यों नहीं, ज़रूर कीजिये । इर्शाद फ़रमाया : दुश्वारी के वक़्त कामिल वुजू करना और मस्जिद की तरफ़ कसरत से चलना और एक नमाज़ के बा'द दूसरी नमाज़ का इन्तिज़ार करना, पस येही गुनाहों से हिफ़ाज़त के लिये क़ल्आ है ।

(مسلم ص ۱۲۳ حدیث ۵۸۷)

(4) वुजू पर वुजू करना दस नेकियां पाने का ज़रीआ है :

हम गुनहगारों की शफ़ाअत फ़रमाने वाले प्यारे प्यारे आका صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने इर्शाद फ़रमाया : जो वुजू होने के बा वुजूद वुजू करेगा उस के लिये दस नेकियां लिखी जाएंगी । (दास احیاء التراث العربی بیروت) ।

(5) वुजू कर के दो रकअत पढ़ना जन्नत वाजिब करने वाला अमल है :

हम गुनहगारों को अपने रब से जन्नत दिलवाने वाले प्यारे प्यारे आका صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का फ़रमाने जन्नत निशान है : जो शख़्स अहूसन (या'नी अच्छे) तरीक़े से वुजू करे और दो रकअतें दिल जर्म्ई से अदा करे तो उस के लिये जन्नत वाजिब हो जाएगी ।

(مسلم ص ۱۱۸ حدیث ۵۵۳)

(6) बा वुजू सोने वाले की मुराद पूरी होने की बिशारत है :

सच्चे नबी صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने इर्शाद फ़रमाया : जो बा वुजू अल्लाह पाक का ज़िक्र करते हुए अपने बिस्तर की तरफ़ आए यहां तक कि

उस पर गुनूदगी (Drowsiness) छा जाए तो वोह रात की जिस घड़ी में भी अल्लाह पाक से दुन्या और आखिरत की जो भलाई तलब करेगा अल्लाह पाक उसे वोह भलाई अता फ़रमा देगा । (ترمذی ج ۵ ص ۳۱۱ حدیث ۳۵۳)

वुजू के दुन्यावी फ़ाएदे और हिक्मतें

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! खुश नसीब व सआदत मन्द मुसल्मान नमाजों के पाबन्द होते हैं, नमाज से पहले किया जाने वाला वुजू अपने अन्दर सवाबे आखिरत का ख़ज़ाना रखने के साथ साथ दुन्यावी भी कई फ़वाइद के हुसूल का ज़रीआ है, क्या आप ने कभी इस बात पर गौर किया है कि वुजू की इब्तिदा हाथ धोने से ही क्यूं की जाती है ? नहीं ? चलिये मैं अर्ज़ करता हूं : हम सारे दिन में अपने हाथों से तरह तरह के काम करते हैं, जिस के सबब हमारे हाथों में कई जरासीम लग जाते हैं, अगर अपने हाथों को साफ़ सुथरा न रखा जाए तो येह जरासीम हमारे मे'दे तक पहुंच सकते हैं । वुजू करते वक़्त निय्यत करने और बिस्मिल्लाह शरीफ़ पढ़ने के बा'द सब से पहले दोनों हाथों को पहुंचों तक तीन तीन बार धोया जाता है, सुन्नत पर अमल की निय्यत के साथ इस पर अमल करने की बरकत से हमें सुन्नत पर अमल करने का सवाब मिलता और बहुत सी बीमारियों और जरासीम से भी हिफ़ाज़त होती है ।

हाथ धोने की हिक्मतें

(डॉक्टरज़ का कहना है) मुख़लिफ़ चीज़ें हाथों के साथ मस (Touch) होने की वज्ह से मुख़लिफ़ कीमियाई अज्ज़ा और जरासीम छोड़ जाती हैं अगर सारा दिन न धोएं तो जल्द ही हाथ इन जिल्दी अमराज़ में मुब्तला हो सकते हैं, मसलन हाथों के गरमी दाने, जिल्दी सोज़िश

या'नी खाल की सूजन, एग्जीमा, फफूंदी (वोह जरासीम जो किसी चीज़ पर काई की तरह जम जाते हैं) की बीमारियां, जिल्द की रंगत (Skin color) तब्दील हो जाना वगैरा। जब हम हाथ धोते हैं तो उंगलियों के पोरों से शुआएं (Rays) निकल कर एक ऐसा हल्का बनाती हैं जिस से हमारा अन्दरूनी बर्की निज़ाम मुतह्रिक (Active) हो जाता है और हाथों में हुस्न पैदा हो जाता है और हाथ इन चीज़ों से होने वाले इन्फेक्शन (Infaction) से महफूज़ हो जाते हैं। (वुजू और साइन्स, स. 10, मुलख़बसन)

मिस्वाक शरीफ़ की 12 बरकतें

मिस्वाक शरीफ़ भी वुजू की बेहतरीन सुन्नत है जो कसीर हिक्मतों से भरपूर है और इस में कसीर दुन्यवी व उख़वी फ़वाइद हैं। हज़रते अल्लामा सय्यिद तहतावी हनफ़ी رَحْمَةُ اللَّهِ عَلَيْهِ नक़ल फ़रमाते हैं : ☆ मिस्वाक शरीफ़ को लाज़िम कर लो, इस से ग़फ़लत न करो, इसे हमेशा करते रहो क्यूं कि इस में अल्लाह करीम की खुशनूदी है, ☆ हमेशा मिस्वाक करते रहने से रोज़ी में आसानी और बरकत रहती है, ☆ दर्दे सर दूर होता है, ☆ बलग़म को दूर करती है, ☆ नज़र को तेज़ करती है, ☆ मे'दे को दुरुस्त रखती है, ☆ हाफ़िज़ा (कुव्वते याद दाश्त) को तेज़ करती है और अक्ल को बढ़ाती है, ☆ नेकियों में इज़ाफ़ा हो जाता है, ☆ फ़िरिशते खुश होते हैं ☆ बुढ़ापा देर में आता है, ☆ पीठ को मज़बूत करती है, ☆ नज़्अ में आसानी और कलिमए शहादत याद दिलाती है।

(حاشية طحطاوى ص 19 ملخصاً) (मिस्वाक शरीफ़ के फ़ज़ाइल, स. 19)

अहले इल्म ने तो मिस्वाक के कई फ़ज़ाइल व फ़वाइद अपनी अपनी कुतुब में बयान फ़रमाए ही हैं मगर जदीद साइन्स ने मिस्वाक पर

तहकीक कर के इस के बारे में ऐसे ऐसे इन्किशाफ़ात किये हैं कि सुन कर अक्लें दंग (Shock) रह जाएं चुनान्चे

साइन्सी ए 'तिबार से मिस्वाक के तिब्बी फ़ाएदे

अमरीका की एक मशहूर कम्पनी की तहकीक़ात के मुताबिक़ मिस्वाक में नुक़सान देने वाले बेक्टेरिया (Bacteria) को ख़त्म करने की सलाहियत किसी भी दूसरे तरीक़े की निस्बत 20 फ़ीसद ज़ियादा है, ☆ स्वीडन के साइन्स दानों की एक तहकीक़ के मुताबिक़ मिस्वाक के रेशे बेक्टेरिया को छूए बिग़ैर बराहे रास्त (Direct) ख़त्म कर देते हैं और दांतों को कई बीमारियों से बचाते हैं, ☆ यू.एस. नेशनल लायब्रेरी ओफ़ मेडीसिन की शाएअ़ शुदा तहकीक़ में येह बताया गया है कि अगर मिस्वाक को सहीह तौर पर इस्ति'माल किया जाए तो येह दांतों और मुंह की सफ़ाई नीज़ मसूढ़ों की सिह्हत का बेहतरीन ज़रीआ है, ☆ एक तहकीक़ के मुताबिक़ जो लोग मिस्वाक के आदी हैं उन के मसूढ़ों से ख़ून आने की शिकायात बहुत कम होती हैं।

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! मुंह हमारे बदन का एक अहम हिस्सा है, इस के ज़रीए हम खाना, पानी और दीगर कई चीज़ें खाते पीते हैं, इसी मुंह से तिलावते कुरआन की सआदत पाते, ना'त व मन्क़बत पढ़ते हैं। اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ दौराने वुजू कुल्ली और गरारे करने की बरकत से मुंह पाको साफ़ रहता है और बहुत सी बीमारियों से भी हिफ़ज़त हो जाती है।

कुल्ली और गरारे करने के तिब्बी फ़वाइद

हवा के ज़रीए ला ता'दाद मोहलिक जरासीम और ग़िज़ा के अज़्ज़ा मुंह और दांतों में लुआब के साथ चिपक जाते हैं। अगर वुजू में

मिस्वाक और कुल्लियों के ज़रीए मुंह की बेहतरीन सफ़ाई न की जाए तो ख़तरनाक अमराज़ पैदा हो सकते हैं। रोज़ा न हो तो कुल्ली के साथ गरगरा करना भी सुन्नत है और पाबन्दी के साथ गरगरे करने वाला कव्वे (Tonsil) बढ़ने, गले में मौजूद टॉन्सिलज़ के इन्फ़ेक्शन और गले के बहुत सारे अमराज़ हत्ता कि गले के केन्सर से महफूज़ रहता है।

नाक में पानी डालने के तिब्बी फ़वाइद

दौराने वुजू नाक में पानी डालना तिब्बी ए'तिबार से बहुत मुफ़ीद है और येह अमल कई बीमारियों से महफूज़ रखता है। दाइमी नज़ला और नाक के ज़ख़्म के मरीज़ों के लिये नाक का गुस्ल (या'नी वुजू की तरह नाक में पानी चढ़ाना) बेहद मुफ़ीद है और माहिरीने "हाईड्रोपेथी" या'नी पानी से इलाज के माहिरीन के नज़्दीक नाक में पानी डालना बसारत (नज़र) को तेज़ करता है।

प्यारे प्यारे इस्लामी भाइयो ! उमूमन बा'ज लोग अपने चेहरे की ख़ूब सूरती व तरो ताज़गी बढ़ाने और कील मुहासों से जान छुड़ाने के लिये चेहरे पर मुख़्तलिफ़ टोटके व नुस्खे आज़्माते और महंगी महंगी क्रीमें लगाते हैं ताकि चेहरे पर मस्नूई चमक दमक आ जाए। याद रखिये ! टोटके व नुस्खे आज़्माने और महंगी क्रीमें लगाने के बा'द चेहरा वक़्ती तौर पर तो चमकदार हो जाता है मगर बा'द में इन के सबब चेहरे पर झुर्रियां, दाने, कील मुहासे और अजीबो ग़रीब दाग़ निकल आते हैं, जो सख़्त तकलीफ़ का सबब बन जाते हैं और इन के सबब चेहरा ख़ूब सूरत होने के बजाए इन्तिहाई बद सूरत हो जाता है। चेहरे की ख़ूब सूरती को चार चांद लगाने और इसे तरो ताज़गी बख़्शाने के लिये वुजू एक बेहतरीन

नुस्खा है, क्यूं कि वुजू में तीन बार चेहरा धोया जाता है जिस के सबब न सिर्फ चेहरे की रौनक में इजाफा हो जाता है बल्कि इस की बरकत से दीगर बहुत से तिब्बी फ़वाइद भी हासिल होते हैं चुनान्वे

चेहरा धोने के तिब्बी फ़वाइद

वुजू के दौरान चेहरे पर तीन बार हाथ फेरने से न सिर्फ़ दिमाग़ पुर सुकून होता है बल्कि चेहरे के अज़लात (Mueles) में चमक और जिल्द में नरमी और लताफ़त पैदा हो जाती है। गर्दों गुबार साफ़ हो कर चेहरा बा रौनक व पुर कशिश और बा रो'ब हो जाता है। आंखों के अज़लात को तक्वियत पहुंचती है और आंखें पुर कशिश, ख़ूब सूरत और पुर खुमार हो जाती हैं। एक यूरोपियन डॉक्टर ने मक़ाला लिखा जिस का नाम था “आई वॉटर हेल्थ (Eye Water Health)” उस में उस ने इस बात पर ज़ोर दिया कि “अपनी आंखों को दिन में बार बार धोते रहो वरना तुम्हें ख़तरनाक बीमारियों से दो चार होना पड़ेगा।”

दे शौके तिलावत दे जौके इबादत रहूँ बा वुजू मैं सदा या इलाही

(वसाइले बख़्शिश (मुरम्मम), स. 102)

वुजू और हाई ब्लड प्रेशर

एक हार्ट स्पेशलिस्ट का बड़े वुसूक़ (या'नी ए'तिमाद) के साथ कहना है : हाई ब्लड प्रेशर के मरीज़ को वुजू करवाओ फिर उस का ब्लड प्रेशर चेक करो लाज़िमन कम होगा। एक मुसल्मान माहिरे नफ़िसयात का कौल है : “नफ़िसयाती अमराज़ का बेहतरिन इलाज वुजू (Ablution) है।” मगरिबी माहिरीन नफ़िसयाती मरीज़ों को वुजू की तरह रोज़ाना कई बार बदन पर पानी लगवाते हैं।

(वुजू और साइन्स, स. 3)

वुजू और फ़ालिज

वुजू में जो तरतीब वार आ'ज़ा धोए जाते हैं येह भी हिकमत से ख़ाली नहीं। पहले हाथ पानी में डालने से जिस्म का आ'साबी निज़ाम मुत्तलअ़ हो जाता है और फिर आहिस्ता आहिस्ता चेहरे और दिमाग़ की रगों की तरफ़ इस के असरात पहुंचते हैं। वुजू में पहले हाथ धोने फिर कुल्ली करने फिर नाक में पानी डालने फिर चेहरा और दीगर आ'ज़ा धोने की तरतीब फ़ालिज की रोकथाम के लिये मुफ़ीद है। अगर चेहरा धोने और मस्ह करने से आगाज़ किया जाए तो बदन कई बीमारियों में मुब्तला हो सकता है।

(वुजू और साइन्स, स. 3)

घर में वुजूख़ाना बनवाइये

आज कल बेसिन (हाथ धोनी की कूडी) पर खड़े खड़े वुजू करने का रवाज है जो कि ख़िलाफ़े मुस्तहब है। **अफ़सोस!** लोग आसाइशों भरी बड़ी बड़ी कोठियां तो बनाते हैं मगर इस में **वुजूख़ाना** नहीं बनवाते! सुन्नतों का दर्द रखने वाले इस्लामी भाइयों की ख़िदमतों में मदनी इल्तिजा है कि हो सके तो अपने मकान में कम अज़ कम एक टोंटी का वुजूख़ाना ज़रूर बनवाइये। इस में येह एह्तियात ज़रूर रखिये कि टोंटी की धार बराहे रास्त फ़र्श पर गिरने के बजाए ढलवान पर गिरे वरना दांतों में खून वगैरा आने की सूरात में बदन या लिबास पर छींटे उड़ने का मस्अला रहेगा अगर आप मोहतात वुजूख़ाना बनवाना चाहते हैं तो रिसाला “वुजू का तरीक़ा” के पीछे दिये हुए नक्शे से रहनुमाई हासिल कीजिये। डब्ल्यूसी (W.C. water closet) में पानी से इस्तिन्जा करने की सूरात में उमूमन दोनों पाउं के टख़्नों की तरफ़ छींटे आते हैं लिहाज़ा फ़राग़त के बा'द एह्तियातन पाउं के यहिसे धो लेने चाहिएं।

वुजूखाना बनवाने का तरीका

एक नल के घरेलू वुजूखाने की कुल मसाहत या'नी लम्बाई साढ़े बियालीस इन्च और चौड़ाई पौने उन्चास इन्च, ऊंचाई ज़मीन से पौने चौदह इन्च, इस के ऊपर मज़ीद साढ़े सात इन्च ऊंची निशस्त गाह (Seat) जिस का अर्ज़ (या'नी चौड़ाई) साढ़े बत्तीस इन्च और लम्बाई एक सिरे से दूसरे सिरे तक या'नी जीने की मानन्द, इस निशस्त गाह और सामने की दीवार का दरमियानी फ़ासिला 25 इन्च, आगे की तरफ़ इस तरह ढलवान (Slope) बनवाइये कि नाली साढ़े सात इन्च से ज़ियादा न हो, पाउं रखने की जगह क़दम की लम्बाई से मा'मूली सी ज़ियादा मसलन कुल सवा ग्यारह इन्च हो और इस सारी जगह का अगला हिस्सा साढ़े चार इन्च खुरदरा रखिये ताकि रगड़ कर पाउं का मैल (खुसूसन सर्दियों में) छुड़ाया जा सके। L (एल) या U (यू) साख़्त का "मिक्सचर नल" नाली की ज़मीन से 32 इन्च ऊपर हो, नल की तरकीब इस तरह रखिये कि पानी की धार ढलवान (Slope) पर गिरे और आप के लिये दांतों के खून वगैरा नजासत से बचना आसान हो। हस्बे ज़रूरत तरमीम कर के मसाजिद में भी इसी तरकीब से वुजूखाना बनवाया जा सकता है। **नोट :** अगर टाइल्ज़ लगवानी हों तो कम अज़ कम ढलवान में सफ़ेद रंग की लगवाइये ताकि मिस्वाक करने में अगर दांतों से खून आता हो तो थूक वगैरा में नज़र आ जाए।

صَلُّوْا عَلَى الْحَبِيبِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

नोट : मज़ीद मा'लूमात के लिये अमीरे अहले सुन्नत का रिसाला "वुजू का तरीका" का मुतालआ फ़रमाइये।

फ़ेहरिस

उन्वान	सफ़ह	उन्वान	सफ़ह
हौजे कौसर के जाम	1	कुल्ली और ग़रारे करने के	
बा वुजू रहने की बरकतें	4	तिब्बी फ़वाइद	10
दिल की सफ़ाई	4	नाक में पानी डालने के	
एहसासे कमतरी का एक इलाज	5	तिब्बी फ़वाइद	11
वुजू के 6 फ़ज़ाइल	6	चेहरा धोने के तिब्बी फ़वाइद	12
वुजू के दुन्यावी फ़ाएदे और हिक्मतें	8	वुजू और हाई ब्लड प्रेशर	12
हाथ धोने की हिक्मतें	8	वुजू और फ़ालिज	13
मिस्वाक शरीफ़ की 12 बरकतें	9	घर में वुजूख़ाना बनवाइये	13
साइन्सी ए'तिबार से		वुजूख़ाना बनवाने का तरीका	14
मिस्वाक के तिब्बी फ़ाएदे	10	☆☆☆	☆

अमीरे अहले सुन्नत का अमली वुजू का तरीका देखने के लिये
इस लिंक को गूगल पर लिख कर सर्च कीजिये :

www.dawateislamiindia.org

سर्दी में वुजू करने की हिکایات

हज़रते उस्माने गनी رَضِيَ اللهُ عَنْهُ ने अपने गुलाम, हुमरान से वुजू के लिये पानी मांगा, आप सर्दी की रात में नमाज़ के लिये बाहर जाना चाहते थे। हुमरान कहते हैं : मैं पानी लाया, उन्होंने ने मुंह हाथ धोए तो मैं ने कहा : अल्लाह आप को किफ़ायत करे रात तो बहुत ठन्डी है। इस पर आप رَضِيَ اللهُ عَنْهُ ने फ़रमाया : मैं ने रसूलुल्लाह صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ से सुना है कि जो बन्दा वुजूए कामिल करता है, अल्लाह पाक उस के अगले पिछले गुनाह बख़्शा देता है।

(مسند بزار، ج ۲، ص ۶۵ حدیث ۳۲۲، بہار شریعت، ج ۱ ص ۲۸۵)



فیضانِ مدینہ، محلّہ سوداگران، پرانی سبزی منڈی کراچی

UAN +92 21 111 25 26 92 0313-1139278

www.maktabatulmadinah.com / www.dawateislami.net

feedback@maktabatulmadinah.com / hlmia@dawateislami.net